वर्ष :: 33 अंक : 40
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
# वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 02 जुलाई, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

# कुंडलीमार अफसरों ने मार्केटिंग बोर्ड को बनाया पंगु, 500 पर गिरेगी गाज

## जल्द बदलेगी राज्य कृषि विपणन पर्षद की सूरत | दुकानों को भाड़े पर चलाने वाले भी नपेंगे

- देवेन्द्र शर्मा -

**रांची :** झारखंड सरकार के राज्य कृषि विपणन पर्षद (मार्केटिंग बोर्ड) सालो-साल से एक ही स्थान पर कुंडली मारकर जमे अधिकारी और कर्मचारियों का जल्द ही तबादला किया जाएगा और बोर्ड की सूरत में बदलाव नजर आएगा। जिन अधिकारी और कर्मचारियों के विरुद्ध अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामले जांच में सामने आएंगे, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। जानकारी के मुताबिक राज्यभर के 28 मार्केटिंग बोर्ड के 500 ऐसे कुंडलीमार अधिकारियों व कर्मियों पर कार्रवाई की गाज गिरनेवाली है। बोर्ड के नवनियुक्त चेयरमैन रवीन्द्र सिंह ने 'मिथिला वर्णन' से एक बातचीत में कहा कि मार्केटिंग बोर्ड को लाभकारी बनाकर किसानों, व्यवसायी और मजदूरों के हितों की रक्षा के साथ-साथ सरकार के राजस्व में वृद्धि का विस्तृत खाका तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मार्केटिंग बोर्ड में तैनात अधिकारी और कर्मचारी वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए है। यह अनियमितता और भ्रष्टाचार में सहायक होता है। उनकी लाल फीताशाही से बोर्ड को हानि तो होती ही है, इसकी छवि भी धूमिल होती है। नियम-परिनियम के विरुद्ध काम करने वाले वैसे सभी लोगों की नए स्थान पर पदस्थापना कर उन्हें खास लक्ष्य दिया जाएगा। वहीं, कमी वाले स्थान पर कर्मचारी की नियुक्ति भी की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका वो ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। अपनी स्वार्थ सिद्धि अथवा लाभ के लिए कोई ऐसा कार्य नही करेंगे, जिससे सरकार की छवि धूमिल हो।

श्री सिंह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार की उपेक्षा और लूट-खसोट नीति के कारण मार्केटिंग बोर्ड लगभग पंगु बन गया था। बोर्ड पर तथा राज्य के हर बोर्ड परिसर में दुकान और गोदाम पर नियम के खिलाफ लोगों ने कब्जा जमा रखा था और अपना गोरखधंधा चला रहे थे। सरकार को न तो टैक्स मिल रहा था और न ही भाड़ा। जो जहां था, अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में लगा था। लोगों ने एक नहीं, दर्जन भर दुकान आवंटित करा लिया था और भाड़े पर अपना व्यवसाय चला रहे थे। अब वैसे सभी दुकानों और गोदाम का आवंटन रद्द करने की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी। परिसर में अवैध कब्जा करने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।

### राज्यभर से मंगाई जा रही रिपोर्ट

बोर्ड के चेयरमैन ने बताया कि राज्य के सभी मार्केटिंग बोर्ड की रिपोर्ट यथाशीघ्र मंगाई जा रही है। सभी अनुमंडलाधिकारी को अद्यतन रिपोर्ट सौंपने के लिए पत्र प्रेषित किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी जिला के एसडीओ (शेष पेज- 7 पर)

### टैक्स की हेराफेरी के खिलाफ चलेगी न्यायिक प्रक्रिया

चेयरमैन के अनुसार मार्केटिंग बोर्ड के टैक्स आदि की हेराफेरी करने वालो के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्रवाई होगी। मार्केटिंग बोर्ड परिसर की दुकानों की निरीक्षण के उपरान्त मरम्मत होगी और निर्माण किया जायेगा। बोर्ड परिसर में सभी अतिक्रमण और अवैध निर्माण को यथाशीघ्र हटाया जायेगा। कुछ जिलों में अतिक्रमण और अवैध निर्माण की शिकायत लगातार मिल रही है। सभी अवैध अतिक्रमण और निर्माण को ध्वस्त करने के लिए पुलिस प्रशासन को ब्यौरा उपलब्ध कराकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कार्रवाई की जायेगी।

### बोकारो समेत कई जिलों में बनेंगे हाइटेक मॉल, किसानहित की भी योजना

बोर्ड चेयरमैन ने कहा कि सभी जिलों के प्राइम लोकेशन वाले इलाके में हाइटेक मॉल की स्थापना करने पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जा रहा है। बोकारो, रांची, गढवा, पलामू, हजारीबाग, धनबाद और कोडरमा में हाइटेक मॉल स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। ग्रामीण क्षेत्र में हाट बाजार की स्थिति में सुधार कर किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने की योजना जल्द शुरू की जायेगी। किसान अपने उत्पादन को सुगमतापूर्वक मार्केटिंग बोर्ड परिसर तक लाकर अपने उत्पादन को बेचकर लाभ कमा सके, इस पर विचार किया जा रहा है। किसानों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाने का काम किया जा रहा है। शिकायत या आरोप सिद्ध होने पर बिचौलिए पर कार्रवाई की जायेगी।

### 11 जिलों में कृषि विपणन के लिए बाजार तक नहीं, आर्थिक स्थिति चरमराई

झारखंड राज्य कृषि विपणन पर्षद द्वारा संचालित राज्य की कुल 28 बाजार समितियों के पणन सचिवों से वर्तमान स्थिति एवं राष्ट्रीय कृषि बाजार की प्रगति की समीक्षा में यह पाया गया है कि बाजार समितियों की आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर हो चुकी है। 11 जिलों में कृषि विपणन हेतु बाजार प्रागंण नहीं हैं। आनेवाले समय में बाजार समितियों में किसानों के हित में कई आधारभूत संरचनाओं का विकास करना अति आवश्यक है। सभी जिला मुख्यालय में बाजार प्रांगण की स्थापना, बाजार समिति में खाली पड़ी जमीन का समुचित उपयोग करते हुए वहां किसानों के लिए क्लीनिंग ग्रेडिंग और पैकेजिंग की व्यवस्था करना, छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था सुनिश्चित करना, जर्जर हो चुकी दुकानों व गोदाम के स्थान पर नई दुकान-गोदाम का निर्माण किया जाएगा।

**गुड न्यूज** बोकारो में मेडिकल कॉलेज की स्थापना को लेकर कवायद तेज, कंसलटेंट कंपनी ने दिया अपना प्रेजेंटेशन

# 500 बेड के अस्पताल में 100 सीटों पर होगी मेडिकल की पढ़ाई

संवाददाता

**बोकारो :** बोकारो में मेडिकल कॉलेज निर्माण को लेकर कवायद तेज हो गई है। जल्द ही अपने शहर में ही इच्छुक विद्यार्थियों का डॉक्टर बनने का सपना पूरा हो सकेगा। रांची में विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह की निगरानी में कंसल्टेंट कंपनी डीडीएफ ने अपना प्रेजेंटेशन दिया। हालांकि, इसमें कई कमियां नजर आई। मेडिकल कॉलेज के लिए गठित टीम ने कंसल्टेंट कंपनी को कई सुझाव देने के साथ ही कमियां सुधार कर एक सप्ताह के अंदर दोबारा प्रेजेंटेशन देने का निर्देश दिया, ताकि सरकार से तकनीकी स्वीकृति लेकर टेंडर में भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। मौके पर बोकारो विधायक बिरंची नारायण, स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव आलोक त्रिवेदी, ए के झा (मैनेजर

प्रोजेक्ट, जेएस बीसीसीएल), शोभित चौहान (डायरेक्टर डीडीएफ कंसल्टेंट), पी के शर्मा (जीएम पीएमसी), अरुण कुमार (सीनियर आर्किटेक्ट) आदि मौजूद थे।

कंसल्टेंट कंपनी ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि इसमें 500 बेड के अस्पताल में 100 सीट पर पढ़ाई होगी। इसके अलावा यहां डॉक्टर्स व नर्स आवास, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हॉस्टल, अपना पावर सब सटेशन, एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, प्ले ग्राउंड, क्लब हाउस, मल्टी पर्पस हॉल, ऑडिटोरियम, फैकल्टी गेस्ट हाउस सहित कई तरह के निर्माण होंगे। विधायक बिरंची नारायण ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बोकारो वासियों का सपना पूरा होने जा रहा है। बोकारो के बच्चे यहां पर रहकर मेडिकल की पढ़ाई कर सकेंगे, साथ ही लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब सरकार बिना देर किए इसका टेंडर निकाले।

## - संपादकीय -

# समान नागरिक संहिता देश की जरूरत

*केंद्र सरकार एक और संकल्प पूरा करने की ओर अग्रसर है। यह संकल्प है समान नागरिक संहिता का। देश लम्बे समय से समान नागरिक संहिता कानून मांग कर रहा है, जो देश की जरूरत है। सबसे बड़ी बात यह है कि समान नागरिक संहिता संविधान-सम्मत है। भोपाल में भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात के संकेत दे दिये हैं कि अब सरकार समान नागरिक संहिता पर तीव्र गति से आगे बढ़ रही है और 2024 लोकसभा चुनाव से पूर्व ही संसद के आगामी सत्रों में सदन से पारित करवाया जा सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकदम साफ कहा कि कुछ विरोधी दल जो तुष्टिकरण करते हैं तथा मुस्लिम समाज को केवल अपना वोटबैंक समझते हैं, वही यूनिफार्म सिविल कोड के नाम पर मुसलमानों को भड़का रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक घर में एक सदस्य के लिए एक कानून हो और दूसरे के लिए दूसरा हो तो घर चल पाएगा क्या? तो ऐसी दोहरी व्यवस्था से देश कैसे चल पाएगा? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बार- बार कहा है कि कॉमन सिविल कोड लाओ लेकिन वोटबैंक की राजनीति करने वालों ने हमेशा इसका विरोध किया है। उधर, देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पिछले दिनों एक कार्यक्रम में कहा था कि एक बड़ी व विदेशी साजिश के तहत समान नागरिक संहिता का विरोध किया जा रहा है। रक्षा मंत्री ने जो कड़े तेवर दिखाये हैं, उससे भी यह संदेश जा रहा है कि अब समान नागरिक संहिता बहुत ही जल्द भारत का कानून बन जायेगा। सरकार समान नागरिक संहिता पर बहुत ही सतर्कता व तर्कों के साथ आगे बढ़ रही है ताकि उसका विरोध ठंडा हो जाये। यही कारण है कि सबसे पहले केंद्रीय विधि आयोग की ओर से समान नागरिक संहिता पर आम नागरिकों व धार्मिक संस्थाओं से संहिता के सन्दर्भ में उनके सुझाव व विचार मांगे गये हैं, ताकि भारत के सभी नागरिकों, समाजों, पंथों और मजहबों, पर समान कानून लागू हो सके। आम जनता अपने मोबाइल, लैपटाप आदि के माध्यम से विधि आयोग की वेबसाइट पर जाकर आने विचार साझा कर सकती है। विधि आयोग की यह पहल सार्वजनिक होते ही मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाली सभी संस्थाओं, नेताओं, सांसदों व विधायकों ने झूठ पर आधारित बयान देने की श्रृंखला प्रारम्भ कर दी है और यह अनवरत जारी है। भाजपा की स्थापना के समय से ही समान नागरिक संहिता उसके तीन मूल ध्येयों में से एक रहा है। 2014 से 2019 तक केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद अब तक वह दो प्रमुख ध्येय प्राप्त कर चुकी है। पहला अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मुक्त हो चुकी है और वहां भव्य राममंदिर का निर्माण प्रगति पर है और दूसरा जम्मू- कश्मीर से अनुच्छेद -370 की समाप्ति हो चुकी है। अब सरकार समान नागरिक संहिता पर आगे बढ़ रही है। वर्तमान में समान नागरिक संहिता कानून भारत के गोवा राज्य में लागू है, जबकि गुजरात व उत्तराखंड में प्रक्रिया चल रही है। उत्तराखंड में एक आयोग इस विषय पर आम जनता से मंत्रणा कर रहा है और उसकी रिपोर्ट 30 जून तक आ जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड की जनता से किया गया हर वादा हर हाल में पूरा किया जायेगा और राज्य में जल्द ही समान नागरिक संहिता को लागू किया जायेगा। गुजरात और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से ऐन पहले भाजपा ने समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए आयोग गठित करके जनता को एक संदेश दिया था जिसका लाभ भी भाजपा को चुनावों में मिला था।*

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
*(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)*

# ये जानलेवा एक्सरसाइज

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
बंगलुरू, मो.- 8618093357

*है कहावत, सब धन से बड़ा धन, है निरोगी काया।*
*काया के बिना, सारी दुनिया लागे झूठी माया।*

मुआ कोरोना का छालिया असर स्वस्थ व्यक्तियों पर भी दिख रहा है। इसकी वैक्सीन लेने वालों की इम्यूनिटी छह महीने में ही पहले से अधिक कमजोर कर गई। कुछ ऐसे लोग भी हैं जिनकी पूरी इम्यूनिटी वैक्सीन हड़प गई। बहुत से वीडियो वायरल हुए हैं, जिसमें अच्छा-खासा युवक नाचते-नाचते गिरा और जबतक लोग समझ पाते क्या हुआ है, वह काल गाल में समा चुका होता है। फरवरी माह की घटना है, तेलांगना का एक युवक जिम करते वक्त हार्ट अटैक से चल बसा। 2022 पलामू की घटना। पलामू सेंट्रल जेल में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर काम करने वाला 37 वर्षीय युवक जिम में वर्कआउट करने के बाद वजन उठाना चाहा, लेकिन वजन के साथ ही वह गिर गया। बेहोश युवक को हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यही नहीं, मशहूर टीवी एक्टर 40 वर्षीय दीपेश भान सुबह-सुबह क्रिकेट खेलते समय गिरे और फिर न उठ सके। जबकि, वह बंदा न सिगरेट पीता था न शराब। एक और अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ल भी हार्ट अटैक से दुनिया छोड़ गया, जबकि ये दोनों ही अपने फिटनेस पर सबसे ज्यादा ध्यान देने और रेगुलर जिम जाने वालों में से थे।

हमारी धारणा यह थी कि जब पुरुष की आयु 50 या 55 की होगी और महिला की 60-65, तभी उनमें हार्ट अटैक का खतरा उत्पन्न होगा। किन्तु, मौजूद वक्त में 20-30 या 40 की उम्र में ही यह तेजी से विकसित हो रहा है। इसका कारण यह है कि युवा पीढ़ी अपने-आप को फिट समझ अंदरूनी इम्यूनिटी को अनदेखा कर जिम ज्वाइन कर, क्षमता से अधिक वर्कआउट में लग जाती है। या खेल के मैदान में स्वयं को झोंक देती है, जो उनके लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। जिन्हें जिम की आदत पड़ गई है वे अपने फिटनेस पर अधिक दबाव डालने लगते हैं, जिस कारण खतरा बढ़ता ही रहा है। हाइपर ट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी (एचसीएम) नामक एक नैदानिक स्थिति के कारण यह तेजी से फैल रहा है। जिम में अधिक एक्सरसाइज करते हुए, स्टेडियम में कसरत करते हुए, स्टेज पर जरूरत से ज्यादा डांस करते समय यह अटैक पड़ता है।

जरूरत है युवाओं में जागरूकता लाने की। जिम जाएं, पर हल्का-फुल्का वर्कआउट करें। कसरत और डांस संयम के साथ अपनाएं। जो भी करें पहले अपने स्वास्थ्य को कोरोना के तराजू में वैक्सीन के बटखरे के साथ तौल कर। ऊपर से भली-चंगी काया अंदर से कितनी खोखली है, इसका अंदाजा जरूर लगा लें। फास्ट फूड से जितनी दूरी हो सके, बनाकर रखें। जिम की जगह योग अपनाएं। भोजन में हरी सब्जी और फल की अधिकता रखें। सात से आठ घंटे की नींद अवश्य पूरी करें।

*(लेखिका वरिष्ठ विचारक एवं समीक्षक हैं।)*

# धर्मक धर्म

अहां पनही फोललहुं मन्दिर पैसलहुं,
तकर मोजर नहि छै।
अहां चानन ठोप आसन पर बैसलहुं,
तकरहु मोजर नहि छै।
अहां घाड़ नीच क' शीश लिबओलहुं,
तकरहु मोजर नहि छै।
अहां कठिन मंत्र चिचिआक' बंचलहुं,
तकरहु मोजर नहि छै।।

जहिना रखलहुं पनही बाहर,
राखू अपन विचारहु बाहरे।

आसन बासन घंटी माला,
जल फूल नैवेद्यहु बाहरे।
जतेक तीर्थ अटन कएलहुएं,
सभक स्मरण सेहो बाहरे।
जतेक भजन स्तुति गओलहुएं,
जे छल घोंखल सेहो बाहरे।।

केवल ध्यान हृदयमे राखू,
भाव निष्कामक दीप जराउ!
प्रभुप्रेम प्रेम बस बसय आत्मा,
परमातम पद पाऊ!!

- बुद्धिनाथ झा -

### प्रबंध प्रशिक्षु - 2023 बैच का सेन्ट्रल इंडक्शन प्रोग्राम शुरू, चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने किया आह्वान

# हर क्षेत्र में सेल को बनाएं नंबर- 1

**संवाददाता**

**बोकारो :** मानव संसाधन विकास विभाग के मुख्य प्रेक्षागृह में सेल के विभिन्न सन्यंत्रों के लिए नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षु -2023 बैच के कुल 68 प्रशिक्षुओं के लिए सेंट्रल इन्डक्शन कार्यक्रम शुरू हुआ। उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष सेल अमरेन्दु प्रकाश, निदेशक प्रभारी (भिलाई स्टील प्लांट), अनिर्बान दासगुप्ता, निदेशक - वाणिज्य, वी एस चक्रवर्ती, निदेशक - प्रभारी (राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो इस्पात संयंत्र) अतनु भौमिक, निदेशक प्रभारी बर्नपुर एवं दुगार्पुर इस्पात संयंत्र बी पी सिंह, निदेशक (वित्त) ए के तुल्सियानी, मुख्य सतर्कता अधिकारी सेल विनीत पांडे, निदेशक (कार्मिक) के के सिंह आन लाइन जुड़े हुए थे। अधिशासी निदेशक - संकार्य बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक (एचआरडी/एमटीआई), संजीव कुमार, अधिशासी निदेशक - परियोजनाएं सीआर महापात्रा, अधिशासी निदेशक - वित्त एवं लेखा सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) अमिताभ श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक झ एसआरयू पी के रथ, अधिशासी निदेशक - कार्मिक एवं प्रशासन राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक - माइंस जॉयदीप दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधकगण तथा विभागाध्यक्ष उपस्थित थे।

सुरक्षा सर्वोपरि को ध्यान में रखते हुए सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरूआत सुरक्षा शपथ से हुई। तत्पश्चात अधिशासी निदेशक (एचआरडी/एमटीआई) संजीव कुमार ने सभी नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओ तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस कार्यक्रम की उपयोगिता के संबंध में चर्चा की तथा उसके बाद प्रबंध प्रशिक्षुओं के आगमन का वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। तदोपरांत सभी सन्यंत्रों से एक एक प्रबंध प्रशिक्षुओ ने अपने आकांक्षा एवं अपेक्षा से सभी को अवगत कराया। इस कार्यक्रम का उदघाटन अध्यक्ष, सेल अमरेन्दु प्रकाश ने किया। अपने सम्बोधन में अध्यक्ष, सेल ने सभी नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओं को सेल मे योगदान करने के लिए बधाई दी तथा सभी से आह्वान करते हुए कहा कि हमें सभी क्षेत्र में नंबर 1 बनना है।

उद्घाटन सत्र में निदेशक प्रभारी (भिलाई स्टील प्लांट) अनिर्बान दासगुप्ता, निदेशक - वाणिज्य वीएस चक्रवर्ती, निदेशक - प्रभारी (राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो इस्पात संयंत्र) अतनु भौमिक, निदेशक प्रभारी - बर्नपुर एवं दुगार्पुर इस्पात संयंत्र बी पी सिंह, निदेशक - वाणिज्य वी एस चक्रवर्ती, निदेशक (वित्त) ए के तुल्सियानी, मुख्य सतर्कता अधिकारी, सेल सीवीओ विनीत पांडे, निदेशक (कार्मिक), के के सिंह ने भी सभी नवनियुक्त प्रबंध प्रशिक्षुओं का सेल में स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अधिशासी निदेशक - कार्मिक एवं प्रशासन राजन प्रसाद ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक - मानव संसाधन विकास विभाग से प्रीति कुमारी ने किया।

---

**नव-आयाम** डीपीएस बोकारो के 37वें स्थापना दिवस समारोह में विद्यार्थियों ने बिखेरी बहुरंगी छटा, 500 हुए सम्मानित

# अनुशासन, एकता व नैतिकता भी सिखाते हैं विद्यालय : सचिव

**संवाददाता**

**बोकारो :** 'स्कूल केवल शिक्षा पाने की ही जगह नहीं, यह वह स्थान है जहां आप जीवनपर्यंत के लिए अच्छे मित्र तैयार करते हैं, जहां समयनिष्ठा, कौशल, अनुशासन, नैतिकता, टीम भावना और एकता भी सीखते हैं। जब हम एक होंगे, समाज एकजुट होगा और देश में एकता होगी तो यकीनन किसी भी मुसीबत का सामना हम आसानी से कर सकते हैं।' यह कहना है मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सचिव विनय कुमार चौबे (भाप्रसे) का। डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल), बोकारो के 37वें स्थापना दिवस समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में हम स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी सीखते हैं। प्रतिस्पर्धा शत्रुता नहीं होती। मित्रों से भी प्रतिस्पर्धा होती है, जो हमें स्वस्थ प्रतियोगिता सिखाती है।

डीपीएस बोकारो के भूतपूर्व छात्र रहे श्री चौबे ने विद्यालय से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस विद्यालय ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड, मेडिकल और आईआईटी के नेशनल टॉपर दिए हैं। 37 वर्षों की इसकी यात्रा एक गौरवपूर्ण अतीत है और साल-दर-साल यह स्कूल उपलब्धियों के नए आयाम गढ़ता चला जा रहा है। उन्होंने यहां का छात्र होना खुद के लिए गर्व का विषय बताया, साथ ही उपस्थित सभी अभिभावकों को भी गौरवान्वित होने का संदेश दिया। शिक्षा, अनुशासन, रचनात्मकता और प्रसन्नता में संतुलन की आवश्यकता बताते हुए श्री चौबे ने वास्तविक खुशी के लिए बच्चों में मूल्यों के विकास पर बल दिया। साथ ही, डीपीएस बोकारो के उत्तरोत्तर विकास के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

## देश के शैक्षणिक विकास में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : ईडी

समारोह के सम्मानित अतिथि जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी तथा बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (कार्मिक व प्रशासन) सह डीपीएस बोकारो के प्रो-वाइस चेयरमैन राजन प्रसाद थे। श्री प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि यह स्थापना दिवस इस विद्यालय की गौरवमयी यात्रा का स्मरण कराता है। वस्तुतः डीपीएस बोकारो शैक्षणिक उत्कृष्टता के जरिए राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने स्कूल के सफर व उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए इसमें विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों, विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवोन्मेषी पहल व अत्याधुनिक संसाधनों की उपलब्धता के अलावा विद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन की दिशा में भी किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। अभिवंचित वर्ग के बच्चों के शिक्षार्थ 22 वर्षों से संचालित ह्यदीपांश शिक्षा केन्द्रह्व, समाज के कमजोर वर्ग की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र 'कोशिश' तथा पर्यावरण-संरक्षण के लिए गो ग्रीन इनिशिएटिव के तहत किए जाने वाले कार्यों को रेखांकित किया। प्राचार्य ने अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर तथा स्मृति-चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

## सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बच्चों ने बांधा समां

समारोह के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। शास्त्रीय व पाश्चात्य संगीत का फ्यूजन गायन, आर्केस्ट्रा व डांस, प्राइमरी विंग के बच्चों का गणेश-वंदना नृत्य व सीनियर विंग के विद्यार्थियों का राग मेघ आधारित सावन नृत्य सभी की सराहना का केंद्र रहे। बहुरंगी छटा बिखेरती उनकी प्रस्तुतियों ने सभी की भरपूर तालियां बटोरी। इसके पूर्व, अतिथियों का स्वागत पौधा भेंटकर किया गया। उल्लासमय माहौल में विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री चौबे, सम्मानित अतिथि उपायुक्त श्री चौधरी व ईडी सह प्रो-वीसी श्री प्रसाद, उनकी सहधर्मिणी प्रीति शरण तथा प्राचार्य डॉ. गंगवार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत व विद्यालय गीत की सुमधुर प्रस्तुति की। इसके बाद केक काटा गया और बच्चों ने बर्थ डे सॉन्ग प्रस्तुत किया और विद्यालय की वाइस हेड गर्ल श्रुति सिंह ने स्वागत भाषण दिया।

## मेडल व प्रमाणपत्र से सम्मानित किए गए बच्चे

समारोह में इस वर्ष के 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के टॉपरों सहित विषयवार शत-प्रतिशत अंक लाने वाले तथा शत-प्रतिशत उपस्थिति के लिए लगभग 500 विद्यार्थियों को अतिथियों ने मेडल व प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया। इस बीच दीपांश शिक्षा केंद्र के बच्चों में प्रभारी डॉ. सरिता गंगवार की उपस्थिति में विद्यालय परिधान का वितरण किया गया तथा स्कूल की गृह-पत्रिका जेनिथ का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की सांस्कृतिक सचिव लीजा ने किया। समारोह का का समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान रंग-बिरंगे गुब्बारों से पूरा विद्यालय प्रांगण सुसज्जित बना रहा।

---

# नकली कॉस्मेटिक्स कहीं बिगाड़ न दे सूरत

### गोरखधंधे का खुलासा

**संवाददाता**

**बेरमो :** चेहरे की खूबसूरती संवारने वाले सौंदर्य प्रसाधन कहीं आपकी सूरत ही नहीं बिगाड़ दे। जी हां, इन दिनों बोकारो जिले में नकली कॉस्मेटिक सामग्री की बिक्री का गोरखधंधा जोरों पर चल रहा है। इसका खुलासा हिंदुस्तान यूनिलिवर लिमिटेड कंपनी के कोलकाता से आए पदाधिकारियों ने स्थानीय बेरमो थाना पुलिस के उपस्थिति में फुसरो बाजार की चार दुकानों में छापेमारी और भारी मात्रा में नकली सामान बरामदगी के साथ हुआ। टीम ने फुसरो बाजार के चर्चित दुकान उपहार के मालिक अंकित खेतान, शुभम वेराइटी के पप्पू कुमार तथा आकर्षण के संजय अग्रवाल सहित एक अन्य छोटे बेनामी दुकान सह उसके अज्ञात मालिक पर बेरमो थाने में मामला दर्ज किया।

छापेमारी में कंपनी के कई कॉस्मेटिक आइटम नकली पाए गए। इनमें लेक्मे का आइकोनिक काजल, प्राइम माल्ट फाउंडेशन, फेस इट कम्पेक्ट, एबसॉल्ट कॉम्पेक्ट, एब्सुलेट थ्री डी मेटल लिपस्टिक, प्राइम मेटल लिपिस्टक, सी एक्सपर्ट कम्पैक्ट, आईलाइनर, हॉलेस मेकअप, वाटर प्रूफ लिक्विड आइलाइनर, लेक्मे फाउंडेशन, वाटर प्रूफ मस्करा, एब्सॉल्यूट आई शेडो प्लेट, एब्सॉल्यूट मेटल लिप कलर, नेचुरल सीसी क्रीम आदि शामिल रहे।

# फोरलेन-निर्माण में धांधली के खिलाफ फूटा जनाक्रोश

## लापरवाही से हो सकती है भीषण सड़क दुर्घटना, प्रशासन करे कार्रवाई : अमित

संवाददाता

**बोकारो :** बोकारो के उकरीद से गरगा पुल वाया नया मोड़ निमार्णाधीन फोरलेन सड़क में निर्माण कम्पनी की ओर से बरती जा रही कथित अनियमितता के खिलाफ लोगों का आक्रोश फूट पड़ा है। भाजपा नेता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने नयामोड़ में विरोध प्रदर्शन किया। इससे पूर्व श्री कुमार अमित के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने उकरीद से नया मोड़ तक पदयात्रा भी की और पाया कि इस सड़क निर्माण में लगी कम्पनी ने उकरीद से लेकर नयामोड़, हवाई अड्डा और गरगापुल तक पूर्व से सड़क किनारे लगे अनेकों पेड़ और लोहे के बिजली खम्भों को बिना उखाड़े ही चौड़ीकरण का काम कर रहा है, जिसके कारण ये पेड़ और बिजली के पोल सड़क के बीच में आ गए हैं। सेल की पाइप लाइन के ऊपर से सड़क बना दी गयी है।

अमित ने कहा कि सड़क निर्माण कम्पनी की इस लापरवाही से कभी भी बोकारो में भीषण सड़क दुर्घटना हो सकती है। इस सड़क के एलाइन्मेंट में भी बहुत सारी खामियां है। निर्माण कम्पनी और राज्य सरकार के सड़क निर्माण विभाग द्वारा मिलीभगत से यह कार्य किया जा रहा है, जिसका खामियाजा बोकारो की जनता को भुगतना पड़ेगा। इस कम्पनी द्वारा विभाग से सांठगांठ कर जल्दीबाजी में बिल निकासी के लिए नियमों को ताक पर रख कर की जा रही लापरवाही से इस निर्माण में बड़े पैमाने भ्रष्टाचार की भी पूरी सम्भावना है।इसमें जिला प्रशासन का मूकदर्शक बने रहना संकेत करता है कि इस घटिया निर्माण कम्पनी को राज्य सरकार का पूरा संरक्षण प्राप्त है। इस सरकार के संरक्षण में पूरे झारखण्ड के सड़क निर्माण में लूट मची है, पर हमलोग बोकारो के विकास के आड़ में भष्टाचारियों को उनका खजाना भरने नहीं देगें।

अमित ने इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से जिला प्रशासन के द्वारा पहल करके इस निर्माण कम्पनी की बिल निकासी पर अविलम्ब रोक लगाते हुए इस अनियमितता की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने इस घटिया निर्माण को लेकर उच्च न्यायलय में जनहित याचिका भी दायर करने की बात कही। मौके पर विनय आनंद, अतुल सिंह, आलोक कुमार, सचिन सिंह, विशाल गौतम युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष, लालबाबू नगर महामंत्री, चन्द्रप्रकाश, शैलेश, गोल्डी सिंह, कमल राज, अरविन्द सिंह, राजकुमार, नीरज कुमार, शिवनाथ रॉय, कृष्णा कालिन्दी, कुमार राहुल, अमन अमन सिंह, शशिभूषण सिंह, ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

## नर सेवा ही नारायण-सेवा : अमरदीप

**बोकारो :** रोटरी क्लब चास ने अपने नए सत्र 23-24 की शुरुआत मानव सेवा आश्रम के दिव्यांग बच्चों के बीच चॉकलेट एवं भोजन का वितरण से की। रोटरी चास की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि संस्था ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक कुमार अमरदीप ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है। रोटरी का मुख्य उद्देश्य भलाई का कार्य करना है और इस इस तरह के कार्यक्रम के माध्यम से आगे भी पुनीत कार्य किए जाएंगे। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि इन बच्चों को समाज द्वारा प्रोत्साहन की जरूरत है। सचिव डिंपल कौर ने कहा वर्षभर रोटरी चास द्वारा ऐसी कल्याणकारी योजना चलाई जाएगी। मानव सेवा आश्रम के संचालक राजेश प्रसाद ने चास रोटरी के इस कार्यक्रम की सराहना

की। मौके पर नरेंद्र सिंह, विनोद चोपड़ा, मंजीत सिंह, चनप्रीत सिंह, हरबंस सिंह सलूजा, अर्चना सिंह, ब्रेंडा टबोड़ा, सिम्मी सलूजा, मनप्रीत आदि मौजूद रहे।

**नया सफर** रिटायर हुए कर्मियों को परियोजना प्रधान ने शुभेच्छाओं सहित दी विदाई

# अपने कर्मियों के लिए सेवानिवृत्ति के पहले और बाद भी मां के समान है डीवीसी : पांडेय

संवाददाता

**बोकारो :** दामोदर घाटी निगम (डीवीसी), चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र (सीटीपीएस) में पदस्थापित डीवीसी के चार कर्मी जून माह के अंत में सेवानिवृत्त हो गए। स्थानीय तेजस भवन के सम्मेलन कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मी सुरेश कुमार दास, धीरेंद्र कुमार सिन्हा, विजय बहादुर सिंह और अवधेश तिवारी के सम्मान में आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुलदस्ता और उपहार भेंटकर उन्हें सम्मानित किया गया तथा शुभेच्छाओं सहित भावभीनी विदाई दी गई। अपने संबोधन में वरीय महाप्रबंधक - सह- परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि दामोदर घाटी निगम एक ऐसी संस्था है, जो सेवानिवृत्ति के पहले और बाद भी मां के समान अपने कर्मियों का पालन-पोषण करती है। उन्होंने कहा कि डीवीसीकर्मियों ने अपना महत्वपूर्ण समय डीवीसी संस्था में लगाया है। इसी का परिणाम है कि हम सभी को इस संस्था से भरपूर लाभ मिलता रहता है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों की कार्यकुशलता की प्रशंसा की और उनके जीवन सुखमय होने की कामना की।

महाप्रबंधक (परिचालन) देवव्रत दास एवं महाप्रबंधक (सामान्य सेवा) पवन कुमार मिश्रा ने सेवानिवृत्त कर्मियों को डीवीसी का अमूल्य रत्न बताया और उनके कार्यकाल की सराहना की। कहा कि ऐसे कर्मियों की उपयोगिता के कारण ही डीवीसी आज ऊंचाई की ओर आगे बढ़ रहा है। समारोह का संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। समारोह में उप महाप्रबंधक प्रशासन टीटी दास, वरीय प्रबंधक दिलीप कुमार आदि उपस्थित थे। समारोह को अमित कुमार, राजीव रंजन, महावीर ठाकुर, सुभाष दुबे, एमके झा आदि ने भी संबोधित किया।

## हफ्ते की हलचल

### इस्पात उत्पादन की प्रक्रियाओं से अवगत हुए आईएएस प्रशिक्षु

**बोकारो :** भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2022 बैच (प्रथम चरण) के छह परीक्ष्यमान पदाधिकारियों की टीम अनुभव आधारित सीखने की कड़ी में बोकारो पहुंची। बोकारो परिभ्रमण के कार्यक्रम के दौरान ओद्योगिक प्रतिष्ठान भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत बोकारो इस्पात संयंत्र के भ्रमण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी पदाधिकारियों को बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक अवन और सीआरएम - 03 विभाग का भ्रमण कराया गया तथा उन्हें दोनों विभागों की उत्पादन प्रक्रिया के साथ इस्पात उत्पादन के बारे में भी जानकारी दी गई। संयंत्र भ्रमण के दौरान परीक्ष्यमान पदाधिकारियों ने बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात भी की। जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, बोकारो शक्ति कुमार जिला प्रशासन की तरफ से संपर्क अधिकारी के रूप में बोकारो इस्पात संयंत्र के भ्रमण के दौरान मौजूद थे। सहायक महाप्रबंधक (मानव संसाधन विभाग), बोकारो इस्पात संयंत्र अमित आनंद ने संयंत्र भ्रमण के कार्यक्रम का समन्वयन किया।

### चास रोटरी ने चिकित्सकों को किया सम्मानित

**बोकारो :** राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर चास रोटरी क्लब की ओर से अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सकों को स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान पर सम्मानित किया गया। चास रोटरी की अध्यक्ष पूजा बैद कहा कि जीवनदाता के रूप में समाज में चिकित्सकों का योगदान अमूल्य है। कार्यक्रम के संयोजक संजय बैद ने कहा कि जिस तरह सीमा पर सैनिक हमारी रक्षा में लगे हैं, उसी तरह चिकित्सक भी समाज में मानव-सेवा में लगे रहते हैं। बैद ने कहा कि चिकित्सक अपने कार्य के प्रति समर्पण भाव से समर्पित रहते है। यह अत्यंत सराहनीय हैं। मौके पर चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह व रोटरी सचिव डिंपल कौर सहित सभी रोटेरियनों ने डॉ. विद्या रानी, डॉ. विकास कुमार, डॉ. आभा इंदु तिर्की, डॉ. रवि शेखर, डॉ. सौरभ साव्यायान, डॉ. रीना कुमारी, डॉ. रश्मि मेघा, डॉ. आयुषी सिंह, डॉ. पुष्पा, डॉ. संजीव, डॉ. सुमन को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति मोमेंटो देकर सम्मानित किया। हरबंस सिंह सलूजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

### भक्तिभाव के साथ मनाया स्वामी तेजोमयानंद का जन्मदिवस

**बोकारो :** चिन्मय विद्यालय बोकारो में परम पूज्य स्वामी तेजोमयानन्द सरस्वती का जन्मदिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में कई भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजित किए गए। चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने सभी को प्रिय गुरुजी स्वामी तेजोमयानंद जी के जन्मदिवस की बधाई दी तथा उनका संक्षिप्त जीवन परिचय दिया। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जी के द्वारा 12 अप्रैल, 2016 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में एक नागरिक अलंकरण समारोह में परमपूज्य स्वामी तेजोमयानंद को भारत गणराज्य के तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। स्वामी तेजोमयानंद ने वेदांत पर 100 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं। विद्यालय के सभागार में जयकिशन राठौड़ ने इस अवसर भजन सुनाए। मौके पर विद्यालय के अध्यक्ष बिश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, समन्वयक नर्मेन्द कुमार, गोपाल चंद मुंशी, पंकज मिश्रा, सुद्धिष्ट नारायण झा तथा संजीव सिंह ने गुरुजी के साथ बिताए सुनहरे पल साझा किए।

### गोमिया में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

**गोमिया :** पूर्वी ससबेड़ा पंचायत अंतर्गत मॉडल उच्च विद्यालय के प्रांगण में मैट्रिक परीक्षा के उत्कृष्ट विधार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर उक्त पंचायत की मुखिया अंशु देवी थीं। उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर मुखिया ने कहा कि बच्चों का भविष्य शिक्षकों के हाथ में है। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सविता देवी ने कहा कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थियों के द्वारा सदैव मैट्रिक का परिणाम सराहनीय व उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। मार्गदर्शन आशीर्वाद से विद्यार्थियों के कार्य में निखार आता है यहां समय समय पर पढ़ाई के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता भी रहती है। उच्च विद्यालय में टापर प्रतिशत लाने वाले छात्र-छात्राओं में प्रियंका कुमारी, जगह हीर सिंह, फिरदौस फातिमा, प्रीति कुमारी, प्रशांत कुमार, मंजुषा तिग्गा, छोटू गंझू, सुमन कुमारी, सुजीत कुमार बासु, तांजिम अंसारी, राहुल यादव, उपेंद्र उरांव, समाजसेवी पिंटू कुमार पासवान, शिक्षक गौतम कुमार चौधरी, नमिता कुमारी, आशीष आदि मौजूद थे।

# धनबाद में हर साल 10 मिलियन टन कोयले की हो रही है चोरी

## अधिकारियों की सांठ-गांठ से हो रहा अवैध कारोबार : विजय झा

## पुख्ता सबूतों और दस्तावेजों के साथ हाईकोर्ट में दाखिल की जनहित याचिका, आधा दर्जन से अधिक अफसरों को बनाया पार्टी

**विशेष संवाददाता**

**धनबाद :** देश की कोयला राजधानी धनबाद काले हीरे की खान तो है, परंतु इस काले हीरे के नाम पर काला कारोबार भी खूब होते हैं। कोयलांचल की कोयला खदानों में हो रहे अवैध उत्खनन, अवैध उत्खनन में जा रही गरीबों की जान और सीसीएल, बीसीसीएल के कोयला चोरी पर रोक लगाने एवं इसकी जांच कराने के लिए हाई कोर्ट को अपने स्तर से एक उच्च स्तरीय जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग को लेकर कतरास निवासी विजय कुमार झा ने हाई कोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है।

बता दें कि विजय कुमार झा धनबाद जिला भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के साथ बोकारो औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार के अध्यक्ष रह चुके हैं। अभी वह विधायक सरयू राय के नेतृत्व में गठित जनमोर्चा के जिला संयोजक हैं। श्री झा ने दायर पीआईएल में कोयला चोरी, अवैध उत्खनन और अवैध उत्खनन में जा रही आम जनता की जान को लेकर कोल इंडिया के सचिव से लेकर झारखंड सरकार, धनबाद एसएसपी, सीआईएसएफ, डीजीएमएस और बीसीसीएल के अधिकारियों को भी पार्टी बनाया है। उन्होंने पीआईएल में आरोप लगाया है कि ये सभी अधिकारी इन घटनाओं से अनभिज्ञ नहीं हैं। राष्ट्र की संपत्ति कोयले की चोरी सभी अधिकारियों की सांठ-गांठ से हो रही है। विजय झा ने पीआईएल में आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों को पार्टी बनाया है।

### अवैध खनन में मौत का सिलसिला जारी, पर रोकने का प्रयास नहीं

याचिकाकर्ता विजय झा ने अपने पीआईएल में बताया है कि उन्होंने कोयला चोरी, अवैध उत्खनन उत्खनन के दौरान होने वाली मौतों को लेकर कई जिम्मेदार अधिकारियों को संपर्क कर ज्ञापन सौंपा है। लगभग सभी अधिकारियों ने कोयला चोरी और अवैध उत्खनन की बात स्वीकार की है, बावजूद भी किसी के द्वारा अवैध खनन रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया गया। विजय झा ने बताया कि निरसा थाना क्षेत्र के गोपीनाथपुर कापासारा, दहीबाड़ी में स्थित ईसीएल और बीसीसीएल के बंद कोयला खदानों में अवैध उत्खनन के दौरान एक फरवरी 2022 को 23 लोग चाल धंसने से मारे गए। इसके बाद उन्होंने पीआईएल दायर कर इस घटना की जांच की मांग की। उन्होंने बताया कि ऐसी ही घटनाएं जिले के अन्य खदानों में भी हुई हैं। प्रतिदिन दर्जनों थाना व अधिकारी के घर के सामने से साइकिल पर चोरी का कोयला ढोया जाता है, जो कि अवैध उत्खनन के नेटवर्क को बताता है।

### पुलिस की मदद से बाहर भेजा जाता है कोयला

विजय झा ने अपनी याचिका में दावा किया है कि संगठित गिरोह द्वारा साइकिल, मोटरसाइकिल और छोटे वाहनों से एक स्थान पर कोयला को एकत्र करने के बाद पुलिस की मदद से ट्रक से कोयला अन्य राज्य भेजा जाता है. उन्होंने कोल इंडिया के सीएमडी और चीफ विजिलेंस ऑफिसर पर भी कोयला माफियाओं के साथ मिले होने का आरोप लगाया है।

पीआईएलकर्ता ने अपने दावे के समर्थन में अवैध उत्खनन से संबंधित तस्वीरें, साइकिल से कोयला चोरी की तस्वीरें, अखबारों में छपे अवैध कोयला चोरी के समाचार के दस्तावेज जमा किए हैं। साथ ही, 01 फरवरी 2022 को अवैध उत्खनन में घायल 12 वर्षीय लड़की की मेडिकल रिपोर्ट भी जमा कराई है। इसके अलावा भी कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जमा कराए हैं।

**'सभी का हिस्सा तय'–** याचिकाकर्ता विजय कुमार झा ने कहा कि देश की संपदा की खुलेआम लूट मची है। राज्य व केंद्र सरकार, सांसद, विधायक, अधिकारी सभी खामोश है, क्योंकि चोरी में सभी का हिस्सा तय है। मुझे किसी से उम्मीद नहीं है, इसलिए मैंने पीआईएल के माध्यम से मांग की है कि कोर्ट अपनी निगरानी में एसआईटी गठित कर जांच कर कार्रवाई करें।

### सुरक्षा के नाम पर हर साल पानी में बहा रहे 200 करोड़ रुपए

पीआईएल में श्री झा ने दावा किया है कि बीसीसीएल प्रतिवर्ष 32 मिलियन टन कोयले का उत्पादन करता है। जबकि, कोयला माफिया के नेटवर्क के द्वारा बीसीसीएल के बंद खदानों से 10 मिलियन टन कोयले की अवैध निकासी या चोरी हो रही है। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल अपनी 23 कोयला खदानों में से कोयला चोरी को रोकने के लिए सीआईएसएफ को प्रति वर्ष 200 करोड रुपये का भुगतान करती है, लेकिन फिर भी कोयला चोरी रुक नहीं रही है। यानी हर साल 200 करोड़ रुपए पानी की तरह बह जा रहे हैं। कोयला चोरी रोकने को लेकर कोई भी ठोस कदम नहीं उठा रहा।

## स्वयं में संपूर्ण काव्य थे पं. वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' : डॉ. सुलभ

**विशेष संवाददाता**

**पटना :** नागार्जुन एक जीवंत कवि थे। स्वयं में ही एक संपूर्ण काव्य। यह उनको देखकर ही समझा जा सकता था। संतकवि कबीर की तरह अखंड और फक्कड़! खादी की मोटी धोती और गंजीनुमा कुर्ता! वह भी मोटे खादी का। बेतरतीब बिखरे बाल, बढ़ी हुई दाढ़ी और उसमें भी छोटा कद! यह सबकुछ उन्हें एक विचित्र सा, किंतु स्तुत्य व्यक्तित्व प्रदान करता था। एक निरंतर गतिमान, महात्मा बुद्ध के उद्घोष - 'बहुजन हिताए, बहुजन सुखाए, लोकानुकंपाए, चरैवेति! चरैवेति!' के प्रत्यक्ष और जीवंत उदाहरण थे बाबा! इसीलिए कहीं एक जगह ठहर नहीं सकते थे और इसीलिए उनका एक उपनाम 'यात्री जी' भी हो गया। ये बातें, 'यात्री जी', 'बाबा', 'जनकवि' आदि अनेकों उपनाम से चर्चित रहे प्रणम्य कवि पं वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' की जयंती पर बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में आयोजित पुस्तक लोकार्पण-समारोह और लघुकथा-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कही।

डॉ. सुलभ ने कहा कि नागार्जुन जो थे, वही उनकी कविता भी थी। जो देखा, जो सुना, जो भोगा, वही लिखा।

इस अवसर पर विदुषी हिन्दी और भोजपुरी की लेखिका डॉ. पूनम आनंद की भोजपुरी कहानियों के लोकार्पित संग्रह 'एक से एकइस' के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इसके पूर्व, सिक्किम के पूर्व राज्यपाल और समारोह के उद्घाटन करता गंगा प्रसाद ने पुस्तक का लोकार्पण किया तथा बाबा नागार्जुन की स्मृति को नमन करते हुए लेखिका को बधाई दी।

दूरदर्शन बिहार के कार्यक्रम-प्रमुख डॉ. राज कुमार नाहर, चर्चित पत्रकार श्रीकांत प्रत्यूष, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी और कवि बच्चा ठाकुर, पूर्व उपसमाहर्ता आनंद बिहारी प्रसाद, डॉ. सुनील चंपारणी आदि ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। इस क्रम में आयोजित लघुकथा-गोष्ठी में, सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, विभारानी श्रीवास्तव, जय प्रकाश पुजारी, सागरिका राय, गार्गी राय, अर्जुन प्रसाद सिंह, श्याम बिहारी प्रभाकर, कुमार अनुपम आदि ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। मंच संचालन कुमार ब्रह्मानन्द पाण्डेय तथा धन्यवाद-ज्ञापन बांके बिहारी साव ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कवयित्री डॉली बगड़िया, सूर्य प्रकाश उपाद्याय, अश्मजा प्रियदर्शिनी, एकलव्य केशरी, महेश 'मधुकर', डा विनीत कुमार लाल दास, वीणा कुमारी, ज्योति श्रीवास्तव, अमन वर्मा, श्याम मनोहर मिश्र, डा चंद्रशेखर आजाद, हरेंद्र आजाद, अमित कुमार सिंह, उपेंद्र पाण्डेय समेत बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

## पुपरी में सब्जियों के भाव सातवें आसमान पर, जायका बिगड़ा

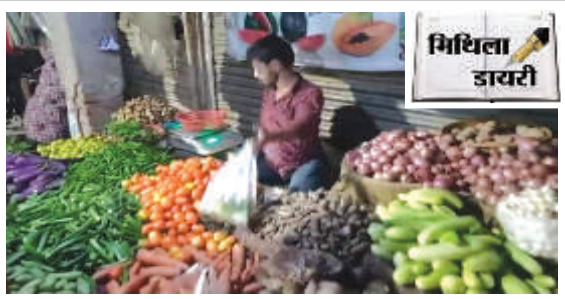


**पुपरी :** इन दिनों पुपरी और आसपास के इलाके में सब्जियों के भाव सातवें आसमान पर हैं। आमलोगों की थाली का मेन्यु और जायका इस महंगाई ने बिगाड़ दिया है। वैसे तो सभी सब्जियां इन दिनों पुपरी में काफी महंगी बिक रही हैं, पर धनिया, टमाटर, खीरा और हरी मिर्च के मूल्य आसमान पर हैं। सिटीजन फोरम आफ पुपरी के अनुसार, स्थानीय बाजार में हरा धनिया 600 रुपए, टमाटर 80-100 रुपए, हरी मिर्च 160 रुपए और खीरा 80-100 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से बिक रहे हैं।

रामलला की नगरी में निखिल शिष्यों का समागम, बोले- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

# गुरु पूर्णिमा - गुरु एवं शिष्य के प्रेममय प्रकटीकरण का महोत्सव

## कारसेवकपुरम में गुरु तत्व श्री राम गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन

**अयोध्या से विजय कुमार झा**

**अयोध्या :** अंतर्राष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार (निखिल मंत्र विज्ञान) के सौजन्य से भगवान श्रीराम की पावन नगरी अयोध्या के कारसेवक पुरम में गुरु तत्व श्री राम गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन हुआ। इसमें देश-विदेश के कोने-कोने से आए निखिल शिष्यों का विराट समागम हुआ। निखिल शिष्यों, साधकों व धर्मावलंबियों को संबोधित करते हुए गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली ने गुरु एवं शिष्य के संबंधों की विस्तृत चर्चा की और गुरु की महिमा तथा उनकी मर्यादा का विस्तार से विवेचन किया। उन्होंने कहा कि गुरु शक्ति ही शिष्य के जीवन की शौर्य-शक्ति है। गुरु ही शिष्य के जीवन में आकर उनमें देवत्व के गुणों को जागृत करते हैं। गुरु की शोभा शिष्य और शिष्य की शोभा गुरु हैं। इस प्रेममय

प्रकटीकरण के उत्सव को ही कहा गया है गुरु पूर्णिमा। गुरुदेव ने कहा कि संसार के सारे संबंधों में एक बंधन अवश्य होता है, लेकिन सद्गुरु हमेशा शिष्य को स्वतंत्रता का भाव देते हैं। धर्म को जानने वाले, धर्म के अनुसार आचरण करने वाले, धर्म परायण और शास्त्रों के मूल तत्व का उपदेश देने वाले तथा अपने शिष्यों को आदेश करने वाले व्यक्ति को ही गुरु पद प्रदान किया जाता है। गुरु वह है, जो आदेश देता है धर्म परायण का। हमारे सदगुरुदेव दादा निखिल इन्हीं सारे गुणों से परिपूर्ण संपूर्ण व्यक्तित्व थे और उन्हीं की कृपा से हमारा यह सिद्धाश्रम साधक परिवार निरंतर प्रगति की राह पर गतिशील है। उन्होंने जो बीज बोया, वह पीढ़ी दर पीढ़ी हो पल्लवित पुष्पित हो रहा है।

### जीवन में रस का प्रवाह आवश्यक

उन्होंने कहा कि संसार में अच्छाई और बुराई के बीच निरंतर महाभारत चलता रहता है। नवदुर्गा के नौ रूपों में मुख्य रूप से दो ही स्वरूप हैं। एक हैं मृदु और दूसरा स्वरूप है रौद्र। दोनों ही शक्ति के भाव आपके भीतर हैं। काली और गौरी, दोनों की शक्तियां आपके भीतर विद्यमान हैं। हमारी सारी प्रार्थनाओं में हम ईश्वर से शक्ति प्रदान करने की कामना करते हैं, प्रार्थना करते हैं। राम जी से शक्ति प्रदान करने का आशीर्वाद मांगते हैं। जैसे ही आपके भीतर काली शक्ति जागृत होती है,, आप अपनी बुद्धि से अपनी बाधाओं का शमन करने में समर्थ हो जाते हो। दूसरी शक्ति है गौरी, राधा, जो रस का स्वरूप है। अगर हम अपने जीवन में रस को ही हटा देंगे तो जीवन शुष्क हो जाएगा, जीवन में नीरसता आ जाएगी। जीवन में आनंद रस आप अपने भीतर से ही प्राप्त कर सकते हो। इसके लिए चाहिए शौर्य। रस है जीवन का प्राण और दुर्गा है शक्ति। आप रस से युक्त होंगे तो मंत्र जप, साधना पूर्ण होगी। आप भीतर से सूखे हो, तो साधना में सफलता नहीं मिलेगी। इसलिए, अंदर रस का प्रवाह निरंतर होना ही चाहिए। फिर जीवन में परिवर्तन हो जाएगा। गुरु शक्ति ही आपके जीवन की शौर्य शक्ति है। शिष्य गुरु के पास शक्ति प्राप्त करने ही आता है और भक्ति के बिना शक्ति जागृत नहीं होती। शक्ति की इच्छा को तो भगवान राम ने भी सहज भाव से स्वीकार किया था।

### शक्ति संगठित रखने का आह्वान

गुरुदेव श्री श्रीमाली ने सनातन धर्मावलम्बियों से अपनी शक्ति को संगठित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम आर्यावर्त की संतान हैं। आज हमें यह विचार करना है कि मुट्ठी भर आक्रांताओं ने हमारी भूमि पर कैसे अधिकार कर लिया? कैसे हमारे मंदिरों को तोड़ दिया? कैसे हमारे धर्म को उन्होंने ध्वस्त करने का प्रयास किया? क्योंकि, हमारे समाज के ही कुछ लोगों ने आक्रांताओं से गठबंधन कर लिया था और उसके विनाश का परिणाम पूरे समाज को भोगना पड़ा। लेकिन, हमारा सनातन धर्म इतना सामर्थ्यवान है कि इतने आक्रमणों का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि जो अपने समूह की सलाह नहीं मानता है वह पूरे समाज के लिए विनाश के द्वार खोल देता है मुझे गर्व है आप शिष्यों पर कि अपने सनातन धर्म का झंडा लहरा रहे हैं हमें गर्व है अपने देवी-देवताओं पर अपने राम पर अपने कृष्ण पर जिनकी कृपा से, जिनके आशीर्वाद से सनातन धर्म की ध्वजा लहरा रही है।

### गुरु-निष्ठा से ही शक्ति का उद्भव संभव

जब श्रीराम, शिव और गुरु में निष्ठा होगी, तभी मनुष्य के जीवन में शक्ति का उद्भव संभव है। जिसकी आत्मा में गुरु का वास है, वह कभी अहंकारी नहीं हो सकता। जब अहंकार की दीवार बीच में आ जाती है, तब आत्मा का परमात्मा से संपर्क नहीं हो पाता और आत्मा वह सूत्र है, जो आपको गुरु से, ईश्वर से एकाकार कर सकती है। गुरुदेव ने गुरु पूर्णिमा के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि शिष्य के लिए यह नए वर्ष का शुभारंभ है। गुरु पूर्णिमा से ही शिष्य के लिए नए वर्ष का आरंभ होता है। यह पर्व किसी देवी देवता को समर्पित नहीं है। परम शक्ति ईश्वर, शिव, राम और गुरु ही हैं, जिनके प्रकाश से यह संसार प्रकाशित है। भगवान शंकर गुरुओं के गुरु हैं। गुरुदेव ने लंका विजय से पूर्व रामेश्वरम में रामसेतु निर्माण के प्रसंग की चर्चा करते हुए कहा कि राम से बड़ा राम का नाम है। जो राम में रम जाता है, वह संसार में रमण करता है। जब मन में गुरु, श्रीराम स्थापित हो जाएंगे तो सब कुछ अच्छा ही होगा। जिस शिष्य को गुरु तत्व का प्रकाश मिल जाए, वह मर्यादावान हो जाता है।

### जिसे आज में आनंद नहीं, वह कभी आनंदित नहीं

गुरुदेव ने अपने शिष्यों को वर्तमान में आनंद के साथ जीने का संदेश देते हुए कहा कि जो आज में आनंद नहीं ले सकता, उसे जीवन में आनंद नहीं मिलेगा। क्योंकि, कल कभी आता नहीं। कल आता है, वह आज बनकर ही आता है। उन्होंने कहा कि गुरु ही परम सत्य है। क्योंकि संसार भले ही त्याग दे, गुरु कभी शिष्य को त्याग नहीं सकता। जिसने गुरु को आधार मान लिया, उसे भाग्य, कर्म, धर्म का संयोग होता रहेगा। वह जीवन में निरंतर गतिशील रहेगा। उन्होंने अपने शिष्यों से पुरानी सारी बातों को भूलकर गुरु पूर्णिमा के दिन से नई शुरूआत करने का संदेश दिया।

गुरुदेव ने 800 साल की गुलामी के दौरान हमारी बनी विचारधाराओं का उल्लेख करते हुए निखिल शिष्यों द्वारा सनातन धर्म की ध्वजा को मजबूती के साथ लहराने और भारतीय संस्कृति को पुनर्जीवित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र मजबूत होगा तो राष्ट्र में रहने वाले सभी नागरिक मजबूत होंगे। जो स्थिति राम राज्य में थी, अब धीरे-धीरे भारत उसी ओर बढ़ रहा है। आज हमारे राष्ट्र में मंदिरों का पुनर्निर्माण हो रहा है। हमारा हिंदू धर्म सर्वजन हिताय के लिए काम करता है।

# 'तेजस'- भारतीय वायुसेना का मुख्य स्तंभ

## सैन्य क्षमता... हल्के लड़ाकू विमान ने सेवा और भरोसे के सात वर्ष किए पूरे

**ब्यूरो संवाददाता**

**नई दिल्ली :** 2 जुलाई 2023 को स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) भारतीय वायुसेना में अपनी सेवा के सात वर्ष पूरे कर लिए। 2003 में तेजस नाम से जाना जाने वाला यह विमान, एक बहुआयामी वायुयान है, जो अपनी श्रेणी में श्रेष्ठ में से एक है। इसे वायु रक्षा, समुद्री सर्वेक्षण और प्रहार भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया है। स्वाभाविक रूप से अस्थिर तेजस, निश्चित संचालन और बेहतर गति प्रदान करता है। इस क्षमता को इसके मल्टीमोड एयरबोर्न रडार, हेलमेट माउंटेड डिस्प्ले, सेल्फ प्रोटेक्शन सूट व लेजर डेजिग्नेशन पॉड से लैस कर और बेहतर किया गया है। तेजस को वायु सेना में शामिल करने वाला पहला स्क्वाड्रन, स्क्वाड्रन नंबर-45 'फ्लाइंग डैगर्स' था। इन वर्षों में स्क्वाड्रन अपने वर्तमान 'लड़ाकू विमान' से सुसज्जित होने से पहले वेम्पायर से ग्नैट और फिर मिग-21 बाइसन से सज्जित हुआ। 'फ्लाइंग डैगर्स' द्वारा उड़ाया गया प्रत्येक विमान भारत में बना है; या तो लाइसेंस उत्पादन के तहत या भारत में डिजाइन और विकसित किया गया है। मई 2020 में स्क्वाड्रन नंबर-18, तेजस को संचालित करने वाली दूसरी वायुसेना इकाई बनी।

भारतीय वायुसेना ने मलेशिया में एलआईएमए-2019, दुबई एयर-शो 2021, 2021 में श्रीलंका वायुसेना के वर्षगांठ समारोह, सिंगापुर एयर-शो 2022 और 2017-23 एयरो इंडिया-शो, सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में विमान प्रदर्शित करके भारत की स्वदेशी एयरोस्पेस क्षमताओं का प्रदर्शन किया है। जबकि इसने पहले ही घरेलू स्तर पर विदेशी वायुसेना के साथ अभ्यास में भी भाग लिया था। मार्च 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में 'एक्स डेजर्ट फ्लैग' तेजस का विदेशी धरती पर पहला ऐसा अभ्यास था।

भारतीय वायु सेना ने तेजस पर जो भरोसा जताया है, वह उसके 83 'एलसीए एमके-1ए' के खरीद ऑर्डर से पैदा हुआ है, जिसमें अद्यतन अवियोनिक्स के अलावा एक एक्टिव इलेक्ट्रानिकली स्टिरॉयड रडार, अद्यतन इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और एक बियोंड विजुअल रेंज मिसाइल क्षमता होगी। तेजस का नया संस्करण, बढ़ी हुई दूरी से अधिक हथियारों को दागने में सक्षम होगा। इनमें से कई हथियार स्वदेशी होंगे। एलसीए एम-के-1-ए में विमान में स्वदेशी सामग्री में पर्याप्त वृद्धि देखी जाएगी। विमान की अनुबंधित आपूर्ति फरवरी 2024 में शुरू होने की उम्मीद है। आने वाले बरसों में एलसीए और इसके भविष्य के वेरिएंट भारतीय वायुसेना का मुख्य स्तंभ बनेंगे।

## डॉक्टरों के सम्मान में रक्तदान

### सीमा पर तैनात फौजी से कम नहीं डॉक्टर : अंकित

**संवाददाता**

**बोकारो :** डॉक्टरों के सम्मान में बोकारो के प्रख्यात युवा समाजसेवी अंकित सिंह ने रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया। इसकी शुरुआत उन्होंने स्वयं रक्तदान कर की। एक मरीज की जीवन-रक्षा तथा चिकित्सकों के सम्मान में उन्होंने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात फौजी से कम डॉक्टर नहीं हैं। उनकी बदौलत ही आज लोगों की जिंदगी सुरक्षित है। कोरोना काल में कई चिकित्सक मरीजों की जिंदगी बचाते हुए शहीद हो गए। उन्हें सम्मान देना ही चाहिए। उनके प्रति सहानुभूति को लेकर समाज को जागृत होने की जरूरत है। मौके पर समाजसेवी प्रशांत कुमार द्विवेदी ने भी अपने विचार रखे।

## चल जंगल चल

कुमार मनीष अरविन्द

चल जंगल चल, चल जंगल चल
लिखी है वन में प्रेम-कहानी
यह सब की जानी-पहचानी
जंगल में राजा दुष्यंत
होता नहीं कथा का अन्त

अमर कहानी शकुन्तला की
जंगल में अनचीन्हा भरत कुमार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
कहीं भीम हैं, कहीं युधिष्ठिर
कुंती हैं, द्रोपदी, नकुल फिर
ये जंगल में भरे हुए हैं
किंवदंती में जड़े हुए हैं

नदी-पहाड़ों के तन-मन में
पांडव का वनवास अभी भी यार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

पेज- एक का शेष

### कुंडलीमार अफसरों ने...

को मार्केटिंग बोर्ड परिसर की दुकानों के किराया और लंबित राशि का ब्यौरा मांगा गया है, जिस पर अगली बैठक में चर्चा की जायेगी। सभी परिसर के किराये में नियमानुसार वृद्धि करने का मसौदा तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि वह राज्य के सभी मार्केटिंग बोर्ड और परिसर का खुद जायजा लेंगे। समस्या और समाधान का जब तक भौतिक निरीक्षण नहीं किया जायेगा तब तक सही रूप से समाधान नहीं हो सकता है।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23
बोकारो रविवार 02.07.2023
News & E-paper : www.varnanlive.com


# शैक्षणिक संस्थान देश की उपलब्धियों के प्रतिबिंब : मोदी

## दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री ने शिक्षण के साथ सीखने पर भी दिया जोर

**ब्यूरो संवाददाता**

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि किसी भी देश के विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान उसकी उपलब्धियों का प्रतिबिंब प्रस्तुत करते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी दिल्ली विश्वविद्यालय के खेल परिसर के बहुउद्देशीय हॉल में दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैम्पस में बनने वाले फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर सेंटर और अकादमिक ब्लॉक के भवन की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने स्मारक शताब्दी खंड- शताब्दी समारोह का संकलन, लोगो बुक- दिल्ली विश्वविद्यालय और इसके कॉलेजो का लोगो; औरा - दिल्ली विश्विविद्यालय के सौ वर्ष का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय पहुंचने के लिए मेट्रो की सवारी की। उन्होंने यात्रा के दौरान छात्रों के साथ बातचीत भी की। प्रधानमंत्री ने यहां पहुंचने पर प्रदर्शनी '100 वर्षों की यात्रा' का अवलोकन किया। उन्होंने संगीत और ललित कला संकाय द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना और विश्वविद्यालय कुलगीत को भी सुना।

प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए बल देकर कहा कि उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेने का दृढ़ निर्णय लिया था और कहा कि यह भावना घर वापसी की तरह है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन से पहले प्रस्तुत लघु फिल्म का जिक्र करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से निकली हस्तियों के योगदान से दिल्ली विश्वविद्यालय के जीवन की झलक मिलती है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली विश्वविद्यालय में उत्सव के अवसर पर और उत्सव की भावना के साथ उपस्थित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। विश्वविद्यालय की किसी भी यात्रा के लिए सहयोगियों के साथ के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचने के लिए मेट्रो से यात्रा करने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का शताब्दी समारोह ऐसे समय में हो रहा है जब भारत अपनी आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के बाद आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डीयू की 100 साल की यात्रा में कई ऐतिहासिक अवसर रहे हैं जिन्होंने अनेक विद्यार्थियों, शिक्षकों और अन्य लोगों के जीवन को जोड़ा है। उन्होंने टिप्पणी की कि दिल्ली विश्वविद्यालय सिर्फ एक विश्वविद्यालय नहीं है, बल्कि एक आंदोलन है और इसने हर एक पल को जीवन से भर दिया है। प्रधानमंत्री ने शताब्दी समारोह पर प्रत्येक विद्यार्थी, शिक्षक और दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने पुराने और नए पूर्ववर्ती छात्रों के एकत्रित होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आगे बढ़ने का एक अवसर है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'अगर इन सौ वर्षों के दौरान डीयू ने अपनी भावनाओं को जीवित रखा है, तो इसने अपने मूल्यों को भी जीवंत रखा है।' प्रधानमंत्री ने ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जब भारत में नालंदा और तक्षशिला जैसे जीवंत विश्वविद्यालय थे, तब यह समृद्धि के शिखर पर था। उन्होंने उस समय के वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत की उच्च हिस्सेदारी को रेखांकित करते हुए कहा- भारत की समृद्ध शिक्षा प्रणाली भारत की समृद्धि की वाहक है। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौरान लगातार हमलों ने इन संस्थानों को नष्ट कर दिया, जिससे भारत के बौद्धिक प्रवाह में बाधा आई और विकास अवरुद्ध हो गया।

उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाशाली युवाओं की एक मजबूत पीढ़ी बनाकर स्वतंत्रता के बाद के भारत के भावनात्मक तरंग को ठोस आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि अतीत की यह समझ हमारे अस्तित्व को आकार देती है, हमारे आदर्शों को आकार देती है और भविष्य की दृष्टि को विस्तार देती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब किसी व्यक्ति या संस्था का संकल्प देश के प्रति होता है, तो उसकी उपलब्धियों को राष्ट्र की उपलब्धियों के बराबर माना जाता है। श्री मोदी ने कहा कि जब दिल्ली विश्वविद्यालय प्रारंभ हुआ था तब इसके अंतर्गत केवल 3 कॉलेज थे लेकिन आज इसके अंतर्गत 90 से अधिक कॉलेज हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि, भारत जिसे कभी एक नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था, अब विश्व की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख करते हुए कि डीयू में पढ़ने वाली महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में अधिक है, कहा कि देश में लिंगानुपात में काफी सुधार हुआ है।

उन्होंने एक विश्वविद्यालय और एक राष्ट्र के संकल्पों के बीच एक अंतसंबंध के महत्व पर बल दिया और कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की जड़ें जितनी गहरी होंगी, देश की प्रगति उतनी ही अधिक होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारत की स्वतंत्रता था जब यह पहली बार शुरू हुआ था, लेकिन अब जब संस्थान 125 साल पूरे करेगा, जब भारत स्वतंत्रता के 100 वर्ष तक पहुंच जाएगा, तो दिल्ली विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारत को 'विकसित भारत' बनाना होना चाहिए।

### विकास की यात्रा को गति देगा तीसरा दशक

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली सदी के तीसरे दशक ने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष को नई गति दी, अब नई सदी का तीसरा दशक भारत की विकास यात्रा को गति देगा। प्रधानमंत्री ने बड़ी संख्या में स्थापित होने वाले विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, आईआईटी, आईआईएम और एम्स का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि ये सभी संस्थान नए भारत के बिल्डिंग ब्लॉक बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा केवल शिक्षण की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि लर्निंग का एक तरीका भी है। उन्होंने बताया कि लंबे समय के बाद, फोकस इस बात पर स्थानांतरित हो रहा है कि एक छात्र क्या सीखना चाहता है। उन्होंने विषयों के चयन के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में लचीलेपन की बात की। प्रधानमंत्री ने संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार और प्रतिस्पर्धा भाव की चर्चा करते हुए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क का उल्लेख किया जो संस्थानों को प्रोत्साहित कर रहा है। उन्होंने संस्थानों की स्वायत्तता को शिक्षा की गुणवत्ता से जोड़ने के प्रयास की चर्चा की।

### आज देश के 45 विश्वविद्यालय वर्ल्ड रैंकिंग में

पीएम ने कहा - भविष्योन्मुखी शैक्षिक नीतियों और निर्णयों के कारण भारतीय विश्वविद्यालयों की मान्यता बढ़ रही है। जहां 2014 में क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में केवल 12 भारतीय विश्वविद्यालय थे, वहीं आज यह संख्या 45 तक पहुंच गई है। उन्होंने इस परिवर्तन के लिए भारत की युवा शक्ति को मार्गदर्शक शक्ति के रूप में श्रेय दिया। मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति योगेश सिंह भी उपस्थित थे। दिल्ली विश्वविद्यालय की स्थापना 1 मई 1922 को हुई थी। विश्वविद्यालय ने पिछले सौ वर्षों में काफी विकास और विस्तार किया है और अब इसमें 86 विभाग, 90 कॉलेज और 6 लाख से अधिक विद्यार्थी हैं। इसने राष्ट्र निर्माण में बहुत योगदान दिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा*** प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)